बी. ए. पार्ट –I 2016-17

1. राजस्थानी

प्रथम प्र न पत्र – आधुनिक राजस्थानी काव्य

परीक्षा योजना

दो प्र न पत्र	न्यूनतम उत्तीर्णांक – 72	अधिकतम अंक – 200
प्रथम प्र न पत्र	समयः 3 घंटे	अंक 100
द्वितीय प्र न पत्र	समयः 3 घंटे	अंक 100

पाठ्यपुस्तकें

1. राजस्थान के कवि (राजस्थानी काव्य संग्रह) : सं. रावत सारस्वत, (कवि क्र.सं. 2, 9, 14, 20, 29, 32, 34, 39, 41, 48, 50 केवल), कन्हैयालाल सेठिया, गणे ालाल व्यास "उस्ताद", चन्द्रसिंह बिरकाळी, डॉ. मनोहर भार्मा, डॉ. नारायण सिंह भाटी, रघुराजसिंह हाडा, रामसिंह सोलंकी, रेवतदान 'कल्पित', सत्यप्रका ा जो ी, सुमने ा जो ी ।
2. मनखो (प्रबन्धात्मक खण्ड काव्य) : गिरधारी सिंह पड़िहार

वि ाष्ट अध्ययन

1. आधुनिक राजस्थानी काव्य का इतिहास : विकास एवं परम्परा से संबंधित अध्ययन ।
2. काव्य भाास्त्र : गुण, भाब्द– ाक्तियाँ एवं अलंकार ।
3. भाब्द बोधः तत्सम एवं तद्भव भाब्द ।

प्र न पत्र एवं अंक योजना

इकाई 1. भाग 'अ' अतिलघुत्तरात्मक प्र न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समाहित करते हुए–कोई आंतरिक विकल्प नहीं ।

(10 प्र न : भाब्द सीमा 15 भाब्द अधिकतम) 1 × 10 = 10 अंक

भाग 'ब' दो लघुत्तरात्मक प्र न –दोनों पाठ्यपुस्तकों में से एक–एक प्र न–कोई आंतरिक विकल्प नहीं ।

(2 प्र नः भाब्द सीमा 100 भाब्द प्रत्येक प्र न) 2 × 5 = 10 अंक

इकाई 2. कुल चार व्याख्याएं – पाठ्यपुस्तकों पर आधारित – दो व्याख्याएं (राजस्थान के कवि) आंतरिक विकल्प सहित एवं दो व्याख्याएं (मानखो) आंतरिक विकल्प सहित ।

4 × 5 = 20 अंक

इकाई 3. 'राजस्थान के कवि' के आधार पर आलोचनात्मक प्र न आंतरिक विकल्प सहित ।

(अधिकतम भाब्द सीमाः 400 भाब्द) 1 × 15 = 15 अंक

इकाई 4. 'मानखो' काव्यकृति के आधार पर आलोचनात्मक प्र न आंतरिक विकल्प सहित ।

(अधिकतम भाब्द सीमाः 400 भाब्द) 1 × 15 = 15 अंक

इकाई 5. भाग 'अ' आधुनिक राजस्थानी काव्य का इतिहास : विकास एवं परम्परा (एक प्र न आंतरिक विकल्प सहित, अधिकतम भाब्द सीमा : 200 भाब्द) 1 × 10 = 10 अंक

भाग 'ब' गुण : ओज, प्रसाद, माधुर्य ; भाब्द भाक्ति : अभिधा, लक्षणा व्यंजना । अलंकार – यमक, भलेश, रूपक, उपमा, अनुप्रास और वैण सगाई – सामान्य परिचय ।

10 अंक

भाग 'स' तत्सम एवं तद्भव भाब्द – (10 भाब्द) 10 अंक

पाठ्यपुस्तकें :–

1. राजस्थान के कवि (राजस्थानी) सं. रावत–सारस्वत
   प्रका ाकः राजस्थानी भाशा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर
2. मानखो : गिरधारी सिंह पड़िहार
   प्रका ाक : पड़िहार प्रका ान, कोरियों का मोहल्ला, बीकानेर

द्वितीय प्र न पत्र – आधुनिक राजस्थानी गद्य

पाठ्यपुस्तकें :–

1. उकरास (राजस्थानी कहानी संग्रह) : सं. सांवर दइया
   (कहानी क्र.सं. 1, 3, 5, 6, 10, 11, 13, 14, 15, 21, 22, 24, 25 केवल)
2. राजस्थानी गद्य संकलन : (सं.) डॉ. कल्याणसिंह भोखावत
   (सम्पूर्ण संकलन : पाठ क्रमांक 11, 13 और 16 को छोड़कर)

वि ाष्ट अध्ययन

1. आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य का इतिहास : विकास एवं परम्परा ।
2. आधुनिक राजस्थानी गद्य विधाएं : संक्षिप्त परिचय – कहानी, उपन्यास एवं नाटक ।
3. भाशा बोध एवं अनुवाद : राजस्थानी से हिन्दी और हिन्दी से राजस्थानी ।

प्र न पत्र एवं अंक योजना

इकाई 1. भाग अ – अतिलघुत्तरात्मक प्र न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समाहित करते हुए, कोई आन्तरिक विकल्प नहीं । 1 × 10 = 10 अंक

(10 प्र न : भाब्द सीमा 15 भाब्द अधिकतम)

भाग ब : दो लघुतरात्तमक प्र न दोनों पाठ्यपुस्तकों में से एक–एक प्र न–कोई आंतरिक विकल्प नहीं ।

(2 प्र न : भाब्द सीमा 100 भाब्द प्रत्येक प्र न) 2 × 5 = 10 अंक

इकाई 2. कुल चार व्याख्याएं – पाठ्यपुस्तकों पर आधारित, दो व्याख्याएं "उकरास" से आंतरिक विकल्प सहित दो व्याख्याएं "राजस्थानी गद्य संकलन" से (आंतरिक विकंल्प सहित) ।

4 × 5 = 20 अंक

इकाई 3. उकरास (केवल चयनित कहानियां) के आधार पर एक आलोचनात्मक प्र न आंतरिक विकल्प सहित । (अधिकतम भाब्द सीमा 400 भाब्द) 1 × 15 = 15 अंक

इकाई 4. राजस्थानी गद्य संकलन के आधार पर एक आलोचनात्मक प्र न आंतरिक विकल्प सहित

(अधिकतम भाब्द सीमा 400 भाब्द) 1 × 15 = 15 अंक

इकाई 5. भाग "अ" : आधुनिक राजस्थानी गद्य का इतिहास, विकास एवं परम्परा (एक प्र न आंतरिक विकल्प सहित (ाब्द सीमा 200 भाब्द) 10 अंक

भाग "ब" : आधुनिक राजस्थानी गद्य विधाएं – संक्षिप्त परिचय – कहानी, उपन्यास एवं नाटक, एक प्र न आंतरिक विकल्प सहित

(ाब्द सीमा 200 भाब्द) 10 अंक

भाग "स" अनुवाद – चयनित गद्यां ा – हिन्दी से राजस्थानी, राजस्थानी से हिन्दी । यदिहिन्दी में हो तो राजस्थानी अनुवाद और राजस्थानी में हो तो हिन्दी अनुवाद 10 अंक

पाठ्यपुस्तकें :–

1. उकरास (कहानी संग्रह) : (सम्पादक) सांवर दइया
   प्रका ाक : राजस्थानी भाशा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर ।

कहानियां –

1. सूरज री मौत	–	अन्नाराम सुदामा
3. थे बारै जावो	–	करणीदान बारहठ
5. घासलेट री खु ाबू	–	चन्द्रप्रका ा देवळ
6. पुण्याई	–	चेतन स्वामी
10. हिरणी	–	बैजनाथ पंवार
11. बतां	–	भंवरलाल भ्रमर
13. दया	–	मदन सैनी
14. सांढ	–	मनोहरसिंह राठौड़
15. नीलकंठी	–	माधव नागदा
21. काच रो चिलको	–	यादवेन्द्र भार्मा 'चन्द्र'
22. भारमली भाजी कोनी	–	रामकुमार ओझा "बुद्धिजीवी"
24. कांचळी	–	रामे वर दयाल श्रीमाली
25. राजीनांवो	–	विजयदान देथा

2. राजस्थानी गद्य संकलन : (सं.) डॉ. कल्याणसिंह भोखावत
प्रका ाक : ज.ना. व्यास वि वविद्यालय, जोधपुर ।

अभिप्रस्तावित ग्रंथ :–

1. राजस्थानी सहित्य : डॉ. मोतीलाल मेनारिया
   प्रका ाक : साहित्य सम्मेलन, प्रयाग ।
2. राजस्थानी भाशा और साहित्य का इतिहास : सीताराम लालस
   प्रका ाक : राजस्थानी भाोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर ।
3. आधुनिक राजस्थानी साहित्य : प्रेरणा स्रोत और प्रवृत्तियां : डॉ. किरण नाहटा
   प्रका ाक : चिन्मय प्रका ान, जयपुर ।
4. आलोचना री आंख सूं – श्री कुन्दन माली
5. राजस्थानी साहित्य मीमांसा – डॉ. माधो सिंह इन्दा
6. राजस्थानी भाशा और साहित्य – डॉ. कल्याण सिंह भोखावत
7. पोथी दर पोथी – डॉ. किरण नाहटा